चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 20 अगस्त 2026, अंक –340.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

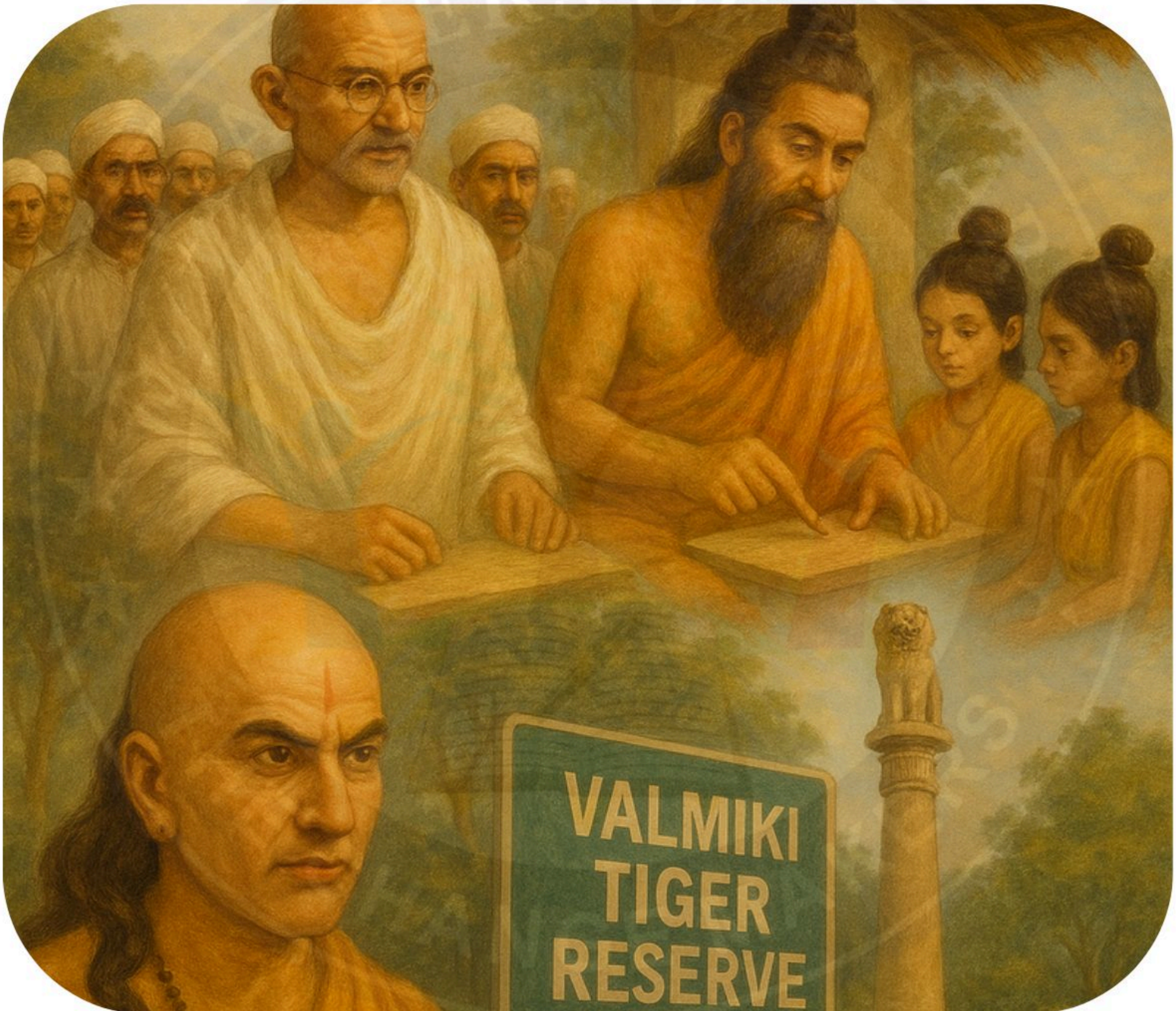

"अकेले पढ़ने से बेहतर है विद्वानों की संगति में रहना।"

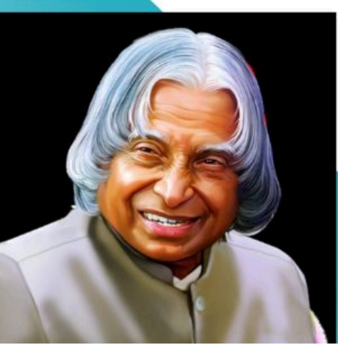

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कनाडा की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओटावा
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थीं?
उत्तर: वी. एस. रमादेवी
प्रश्न 3. 'घूमर' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. रोमन संख्या 'XC' का मान क्या है?
उत्तर: 90
प्रश्न 5. बिहार का 'लौरिया नंदनगढ़' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: पश्चिम चंपारण
Bihar Tourism
प्रश्न 6. पौधों की पत्तियों पर जल की छोटी-छोटी बूँदों का निकलना किस प्रक्रिया का उदाहरण है?
उत्तर: गुटेशन
प्रश्न 7. पेनिसिलिन की खोज किसने की थी?
उत्तर: अलेक्जेंडर फ्लेमिंग
प्रश्न 8. भारत के संविधान में राज्य के नीति-निर्देशक तत्व किस भाग में हैं?
उत्तर: भाग IV
प्रश्न 9. 'जो देश से प्रेम करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: देशभक्त
प्रश्न 10. पौधे में पत्तियों से अन्य भागों तक भोजन पहुँचाने वाला ऊतक कौन-सा है?
उत्तर: फ्लोएम

संकलन:-

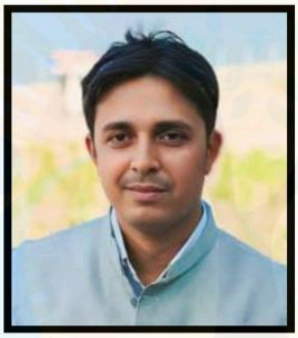

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Garage – (गैरेज) – वाहन रखने की जगह
Storeroom – (स्टोररूम) – भंडार-कक्ष
Attic – (ऐटिक) – अटारी
Basement – (बेसमेंट) – तहखाना
Balustrade – (बैलस्ट्रेड) – रेलिंग / कठघरा
Mailbox – (मेलबॉक्स) – डाक-पेटी
Doorknob – (डॉरनॉब) – दरवाज़े की घुंडी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "किसके लिए … करोगे/करोगी?" (For whom will you …?)

तुम किसके लिए खाना बनाओगे/बनाओगी? – For whom will you cook food?
तुम किसके लिए उपहार खरीदोगे/खरीदोगी? – For whom will you buy a gift?
तुम किसके लिए पत्र लिखोगे/लिखोगी? – For whom will you write a letter?
तुम किसके लिए यह काम करोगे/करोगी? – For whom will you do this work?
तुम किसके लिए प्रार्थना करोगे/करोगी? – For whom will you pray?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 20 अगस्त को मच्छर एवं मलेरिया जागरूकता से संबंधित कौन-सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?

उत्तर: विश्व मच्छर दिवस

व्याख्या: विश्व मच्छर दिवस प्रत्येक वर्ष 20 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस 1897 में ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस द्वारा मादा एनोफिलीज मच्छर में मलेरिया परजीवी के संचरण की खोज की स्मृति में मनाया जाता है। इस खोज ने यह समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि मच्छर मलेरिया के प्रसार में वाहक की भूमिका निभाते हैं। दिवस का उद्देश्य मच्छरजनित रोगों की रोकथाम, वैज्ञानिक जागरूकता और प्रभावी वेक्टर नियंत्रण के प्रति लोगों को सजग करना है।

संदर्भ: WHO; India National Malaria Strategic Plan 2023–2027; World Mosquito Day, 20 August.

प्र.2. अगस्त 2026 में जयपुर में आयोजित BRICS पर्यटन सहयोग की बैठक किस क्षेत्र पर केंद्रित है?

उत्तर: पर्यटन सहयोग

व्याख्या: भारत की BRICS 2026 अध्यक्षता के दौरान पर्यटन सहयोग को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। 19–20 अगस्त 2026 को जयपुर में BRICS Tourism Working Group की दूसरी बैठक निर्धारित की गई है। इसके प्रमुख विषयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पर्यटन, सतत एवं जिम्मेदार पर्यटन, पर्यटन कौशल तथा क्षमता निर्माण और पर्यटन आदान-प्रदान शामिल हैं। यह घटना भारत की बहुपक्षीय कूटनीति और BRICS के आर्थिक-सामाजिक सहयोग को समझने के लिए परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार; BRICS 2026 आधिकारिक पोर्टल।

प्र.3. 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय लेखक कौन थे?

उत्तर: रवीन्द्रनाथ ठाकुर

व्याख्या: रवीन्द्रनाथ ठाकुर की 'गीतांजलि' मूलतः बंगाली कविताओं का प्रसिद्ध संग्रह है, जिसके अंग्रेजी अनुवाद ने उन्हें विश्व साहित्य में व्यापक पहचान दिलाई। 1913 में उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया और वे यह सम्मान पाने वाले पहले एशियाई साहित्यकार बने। उनकी रचनाओं में प्रकृति, आध्यात्मिकता, मानवतावाद और स्वतंत्र चिंतन के तत्व प्रमुख हैं। भारतीय साहित्य और आधुनिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: Rabindranath Tagore, Gitanjali; Nobel Prize आधिकारिक अभिलेख; साहित्य अकादमी संदर्भ सामग्री।

प्र.4. जैव-विविधता के संरक्षण के लिए किसी क्षेत्र को वैज्ञानिक आधार पर संरक्षित करने वाली इकाई क्या कहलाती है?

उत्तर: जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र

व्याख्या: जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र ऐसे व्यापक संरक्षित क्षेत्र हैं जहाँ पारितंत्र, वनस्पतियों और वन्यजीवों की जैव-विविधता को संरक्षित करते हुए स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित किया जाता है। इनके अंतर्गत संरक्षण, शोध, शिक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल दिया जाता है। इस अवधारणा से यह समझने में सहायता मिलती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल वन्यजीवों की रक्षा नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के संतुलित सह-अस्तित्व से भी संबंधित है।

संदर्भ: NCERT, कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय–15 'हमारा पर्यावरण'; NCERT पर्यावरण संबंधी सामग्री।

प्र.5. बुद्ध के जीवन से संबंधित चार प्रमुख स्थलों में उनका जन्मस्थान कौन-सा था?

उत्तर: लुंबिनी

व्याख्या: लुंबिनी वर्तमान नेपाल में स्थित वह ऐतिहासिक स्थल है जिसे गौतम बुद्ध का जन्मस्थान माना जाता है। बौद्ध परंपरा के अनुसार सिद्धार्थ गौतम का जन्म शाक्य कुल में हुआ था। बुद्ध के जीवन से जुड़े चार प्रमुख तीर्थस्थलों में लुंबिनी के अतिरिक्त बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर शामिल हैं। इन स्थलों का अध्ययन प्राचीन भारतीय इतिहास, बौद्ध धर्म के उदय तथा भारत की सांस्कृतिक विरासत को समझने में अत्यंत उपयोगी है।

संदर्भ: NCERT, कक्षा 6 इतिहास, हमारे अतीत–I, अध्याय–7 'नए प्रश्न और विचार'; अध्याय–8 'अशोक: एक सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया'।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में काली मिट्टी का निर्माण मुख्यतः किस प्रकार की चट्टानों से हुआ है?
उत्तर: बेसाल्ट चट्टान
व्याख्या: काली मिट्टी को रेगुर मिट्टी भी कहा जाता है और इसका व्यापक विस्तार दक्कन के पठार में मिलता है। इसका निर्माण मुख्यतः बेसाल्ट जैसी ज्वालामुखीय चट्टानों के अपक्षय से जुड़ा हुआ है। इस मिट्टी में नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है, इसलिए यह कपास की खेती के लिए विशेष रूप से उपयुक्त मानी जाती है। दक्कन के लावा क्षेत्र और काली मिट्टी का संबंध भारत के भौतिक भूगोल तथा कृषि भूगोल दोनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10 भूगोल, समकालीन भारत–II, अध्याय–1 'संसाधन एवं विकास', मृदा संसाधन अनुभाग।

प्र.7. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य किस संशोधन द्वारा जोड़े गए थे?
उत्तर: 42वाँ संशोधन
व्याख्या: भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों को 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा जोड़ा गया। प्रारंभ में दस मौलिक कर्तव्य जोड़े गए थे और बाद में 86वें संशोधन द्वारा एक और कर्तव्य जोड़ा गया। वर्तमान में नागरिकों के ग्यारह मौलिक कर्तव्य हैं। इनका उद्देश्य नागरिकों में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, पर्यावरण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सामाजिक सद्भाव के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। ये अधिकारों के साथ नागरिक उत्तरदायित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 8 नागरिक शास्त्र, 'भारतीय संविधान'; भारत का संविधान, अनुच्छेद 51A।

प्र.8. लोहे पर जंग लगने के लिए मुख्यतः किन दो पदार्थों की आवश्यकता होती है?
उत्तर: ऑक्सीजन-पानी
व्याख्या: लोहे में जंग लगना एक रासायनिक परिवर्तन है। इसके लिए सामान्यतः ऑक्सीजन और नमी दोनों की उपस्थिति आवश्यक होती है। लोहे की सतह पर ऑक्सीजन और जल की प्रतिक्रिया से जलयोजित लौह ऑक्साइड बनता है, जिसे सामान्य भाषा में जंग कहा जाता है। नम वातावरण में यह प्रक्रिया तेज होती है। पेंट, तेल, गैल्वनाइजेशन और मिश्रधातु निर्माण जैसी विधियाँ लोहे को जंग से बचाने में उपयोगी हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय–3 'धातु एवं अधातु', संक्षारण संबंधी अनुभाग।

प्र.9. अजंता की गुफाएँ मुख्यतः किस प्रकार की कला के लिए प्रसिद्ध हैं?
उत्तर: भित्ति चित्रकला
व्याख्या: महाराष्ट्र की अजंता गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला की असाधारण विरासत हैं। यहाँ बौद्ध विषयों पर आधारित भित्ति चित्र और शैल-कट वास्तुकला के उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं। चित्रों में बुद्ध के जीवन, जातक कथाओं, राजदरबार, सामान्य जनजीवन तथा प्रकृति के विविध रूपों का कलात्मक चित्रण मिलता है। अजंता भारतीय चित्रकला की तकनीक, रंग-संयोजन, भावाभिव्यक्ति और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 11, An Introduction to Indian Art–Part 1, अध्याय–1 'Prehistoric Rock Paintings'; भारतीय कला एवं संस्कृति संबंधी NCERT सामग्री।

प्र.10. बिहार का कौन-सा शहर प्राचीन पालकालीन बौद्ध विश्वविद्यालय के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: बिहार के वर्तमान भागलपुर जिले के अंतिचक क्षेत्र में स्थित विक्रमशिला महाविहार पाल शासक धर्मपाल द्वारा स्थापित प्रसिद्ध बौद्ध शिक्षा-केंद्र था। यह नालंदा के साथ प्राचीन भारत की उच्च शिक्षा और बौद्ध विद्या का महत्वपूर्ण केंद्र बना। यहाँ दर्शन, व्याकरण, तर्कशास्त्र और बौद्ध अध्ययन की उच्च शिक्षा दी जाती थी। विक्रमशिला से संबंधित पुरातात्त्विक अवशेष बिहार के प्राचीन शैक्षिक और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाते हैं।
संदर्भ: बिहार सरकार, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग; भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विक्रमशिला संबंधी सामग्री; NCERT इतिहास संदर्भ।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार — कुत्ते के काटने पर क्या तत्काल प्राथमिक उपचार करना चाहिए और कितने दिनों के भीतर ARV टीका लेना अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: 15 मिनट साबुन-पानी से धोएँ, 24 घंटे के भीतर ARV टीका लें

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार, कुत्ते के काटने पर तत्काल करें: (1) घाव को 15 मिनट साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोएँ — यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है जो वायरस की मात्रा 99% तक कम करता है; (2) एंटीसेप्टिक (Dettol/Betadine) लगाएँ; (3) घाव को बाँधें नहीं — बंद घाव में वायरस तेज़ी से बढ़ता है; (4) 24-48 घंटे के भीतर नजदीकी PHC/CHC/सरकारी अस्पताल जाएँ जहाँ ARV (Anti-Rabies Vaccine) निःशुल्क मिलता है; (5) ARV का पूरा कोर्स (0, 3, 7, 14 दिन) लें — बीच में न छोड़ें; (6) WHO के अनुसार कुत्ते के काटने पर Category III (गहरा घाव) में RIG (Immunoglobulin) भी जरूरी है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W3 — "सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान"।

प्र.12. पहेली: "मैं स्वयं दिखाई नहीं देता, लेकिन मेरे बिना दीपक नहीं जलता। मैं पेड़ों को भी जीवन देता हूँ और तुम्हारी साँसों में भी पहुँचता हूँ। मैं कौन हूँ?"

उत्तर: ऑक्सीजन

व्याख्या: ऑक्सीजन वायुमंडल की महत्वपूर्ण गैस है और अधिकांश जीवों के लिए श्वसन में आवश्यक है। दहन की प्रक्रिया में भी ऑक्सीजन की भूमिका होती है, इसलिए दीपक या अन्य ईंधन के जलने के लिए इसकी आवश्यकता पड़ती है। हरे पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे वायुमंडलीय गैसों का संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है। पहेली बच्चों को दैनिक अनुभव से विज्ञान की मूल अवधारणा तक पहुँचाने का सरल माध्यम है।

संदर्भ: NCERT, कक्षा 6 विज्ञान, अध्याय–6 'हमारे चारों ओर वायु'; NCERT, कक्षा 7 विज्ञान, अध्याय–1 'पौधों में पोषण'।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

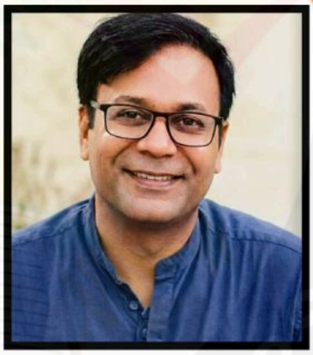

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Pernicious (परनिशस) = Destructive (डिस्ट्रक्टिव) = हानिकारक / विनाशकारी
Antonym – Wholesome (होलसम) = स्वास्थ्यकर / लाभकारी

Quiescent (क्वाइएसन्ट) = Inactive (इनऐक्टिव) = निष्क्रिय / शांत
Antonym – Active (ऐक्टिव) = सक्रिय

Rancour (रैंकर) = Resentment (रिज़ेन्टमेन्ट) = दुर्भावना / कटुता
Antonym – Goodwill (गुडविल) = सद्भावना

Sporadic (स्पोरैडिक) = Occasional (अकेशनल) = छिटपुट / कभी-कभी होने वाला
Antonym – Continuous (कन्टिन्युअस) = निरंतर

Tenable (टेनेबल) = Defensible (डिफेन्सिबल) = समर्थनीय / बचाव योग्य
Antonym – Untenable (अन्टेनेबल) = असमर्थनीय

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Power Launches 'National Smart Grid & Green Energy Transmission Mission' to Integrate 500 GW Renewable Capacity.
हिन्दी अनुवाद: विद्युत मंत्रालय ने 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को एकीकृत करने के लिए 'राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड और हरित ऊर्जा ट्रांसमिशन मिशन' की शुरुआत की।
भारत के 2030 स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए नई रूपरेखा अधिसूचित की है। इसके तहत उन्नत डिजिटल सब-स्टेशनों, वास्तविक समय के ग्रिड लोड मॉनिटरिंग और उच्च-क्षमता वाले ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर्स का विस्तार किया जाएगा ताकि सौर व पवन ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Circular Economy and Waste-to-Resource Index 2026', Highlighting Industrial Recycling Standards.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने औद्योगिक पुनर्चक्रण मानकों को रेखांकित करते हुए 'राज्य चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं अपशिष्ट-से-संसाधन सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में ई-कचरा प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और सतत पैकेजिंग सामग्री के उपयोग में तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक शीर्ष प्रदर्शनकर्ता बनकर उभरे हैं। यह रिपोर्ट पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाओं को अपनाने में राज्यों की प्रगति का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Acoustic Vibration Testing of Indigenous Crew Module for Future Human Spaceflight Missions.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने भविष्य के मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों के लिए स्वदेशी क्रू मॉड्यूल का ध्वनिक कंपन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने यू. आर. राव उपग्रह केंद्र (URSC) में आगामी अंतरिक्ष अभियानों के लिए क्रू मॉड्यूल की संरचनात्मक स्थिरता का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण रॉकेट प्रक्षेपण के दौरान उत्पन्न होने वाले अत्यधिक ध्वनि दबाव और कंपन में अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और उपकरणों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN Environment Programme (UNEP) Adopts Global Guidelines on 'Sustainable Soil Health and Land Degradation Neutrality'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने 'सतत मृदा स्वास्थ्य और भूमि क्षरण तटस्थता' पर वैश्विक दिशानिर्देश अपनाए।
नैरोबी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के विशेष सत्र के दौरान सदस्य राष्ट्रों ने कृषि योग्य भूमि के क्षरण को रोकने और जैविक कार्बन स्तर को बहाल करने के लिए सर्वसम्मत मानक पारित किए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को बचाना है।

English Headline: International Maritime Organization (IMO) Mandates Zero-Emission Fuel Standards for Global Commercial Shipping Corridors by 2035.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) ने 2035 तक वैश्विक वाणिज्यिक शिपिंग गलियारों के लिए शून्य-उत्सर्जन ईंधन मानक अनिवार्य किए।
लंदन स्थित अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन ने समुद्री परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। नए दिशानिर्देशों के तहत अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों में हरित अमोनिया, ई-मेथनॉल और हाइड्रोजन ईंधन प्रणालियों के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य बनाया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global One Health Zoonotic Alert Network' for Early Detection of Cross-Species Pathogens.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने प्रजाति-पार रोगजनकों की त्वरित पहचान के लिए 'ग्लोबल वन हेल्थ जूनोटिक अलर्ट नेटवर्क' की शुरुआत की।
मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के अंतर्संबंधों की निगरानी के लिए डब्ल्यूएचओ ने एक एकीकृत डिजिटल निगरानी प्रणाली शुरू की है। यह नेटवर्क वन्यजीवों और घरेलू पशुओं से मानव आबादी में फैलने वाले संभावित वायरस और जीवाणुओं की जीनोमिक मैपिंग करके महामारी के खतरों के प्रति पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Department of Agriculture Approves 'Special Coarse Grains and Millets Cluster Scheme 2026' for South Bihar Districts.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कृषि विभाग ने दक्षिण बिहार के जिलों के लिए 'विशेष मोटे अनाज और मिलेट्स क्लस्टर योजना 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से गया, नवादा, औरंगाबाद और बांका जिलों में मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी) के उत्पादन और मूल्य संवर्धन के लिए विशेष सब्सिडी पैकेज स्वीकृत किया गया है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को प्रसंस्करण और पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने में वित्तीय सहायता मिलेगी।

English Headline: Bihar State Wetland Authority Initiates Eco-Restoration and Bird Ringing Program at Kusheshwar Asthan Sanctuary in Darbhanga.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण ने दरभंगा स्थित कुशेश्वर अस्थान अभयारण्य में पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना और पक्षी छल्लाकरण (Bird Ringing) कार्यक्रम शुरू किया।
उत्तर बिहार की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रवासी पक्षियों के प्रवास पैटर्न के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए वन विभाग ने एक समर्पित अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य आर्द्रभूमि के जल प्रवाह को सुव्यवस्थित करना, जलीय वनस्पतियों का पुनरुद्धार और स्थानीय स्तर पर पारिस्थितिक-पर्यटन को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Weightlifting Contingent Secures Gold and Bronze Medals at Commonwealth Weightlifting Championships.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय भारोत्तोलन दल ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किए।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय भारोत्तोलकों ने अपने तकनीकी अनुशासन और शक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा। स्नैच और क्लीन-एंड-जर्क स्पर्धाओं में नए व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने पदक तालिका में भारत की शीर्ष स्थिति को मजबूत किया।

English Headline: International Tennis Federation (ITF) Introduces Advanced Smart-Court Sensors for Ball Bounce and Fault Detection.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) ने बॉल बाउंस और फॉल्ट पहचान के लिए उन्नत स्मार्ट-कोर्ट सेंसर पेश किए।
टेनिस मैचों में निर्णय प्रक्रिया की सटीकता और गति को बढ़ाने के उद्देश्य से आईटीएफ ने अपनी तकनीकी नियमावली को अद्यतन किया है। नए मानकों के तहत कोर्ट की सतह और बेसलाइन पर लगे उच्च-सटीक सेंसर लाइन कॉल और फुट-फॉल्ट का वास्तविक समय में विश्लेषण करके अंपायर को त्रुटिहीन डेटा उपलब्ध कराएंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

🦋 प्रेरक प्रसंग

तितली का संघर्ष

एक दिन विद्यालय के शिक्षक बच्चों को विद्यालय के बगीचे में प्रकृति के बारे में बता रहे थे। तभी उनकी नजर एक पत्ते से लटके तितली के कोष पर पड़ी।

बच्चे उत्सुकता से उसे देखने लगे। कुछ देर बाद कोष में हलचल हुई। उसके भीतर से तितली बाहर निकलने का प्रयास करने लगी। वह बार-बार अपने शरीर को मोड़ती और छोटे-से छेद से बाहर निकलने की कोशिश करती।

राजू को तितली पर दया आ गई। उसने कहा, “सर, यह बहुत परेशान हो रही है। क्यों न हम कोष को थोड़ा खोल दें, ताकि तितली आसानी से बाहर आ जाए?”

विद्यालय के शिक्षक ने मुस्कुराकर कहा, “नहीं राजू, इसे अपना संघर्ष स्वयं करने दो।”

बच्चे आश्चर्य से तितली को देखते रहे।

तितली काफी देर तक संघर्ष करती रही। आखिरकार वह कोष से बाहर निकल आई। लेकिन कुछ ही क्षण बाद बच्चों ने देखा कि उसके पंख कमजोर थे और वह ठीक से उड़ नहीं पा रही थी।

राजू ने पूछा, “सर, ऐसा क्यों हुआ?”

शिक्षक ने समझाया, “तितली को कोष से बाहर निकलने के लिए जो संघर्ष करना पड़ता है, उसी प्रक्रिया से उसके शरीर में शक्ति आती है और पंख उड़ान के लिए मजबूत होते हैं। यदि हम उसकी मदद करके उसका संघर्ष समाप्त कर दें, तो शायद वह कभी ठीक से उड़ ही न पाए।”

बच्चे कुछ देर चुप रहे।

शिक्षक बोले, “हमारे जीवन में भी कठिनाइयाँ कुछ ऐसी ही होती हैं। हर परेशानी हमें कमजोर करने नहीं आती। कई बार वही हमें उस भविष्य के लिए तैयार करती है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर पाते।”

राजू ने कहा, “तो सर, हर कठिनाई से भागने के बजाय उससे सीखना चाहिए?”

शिक्षक ने मुस्कुराकर कहा, “बिल्कुल। संघर्ष से बचकर हम आराम तो पा सकते हैं, लेकिन संघर्ष से गुजरकर ही अपनी असली ताकत पहचान सकते हैं।”

प्रेरक सीख

“संघर्ष जीवन की सजा नहीं, हमारी क्षमता को मजबूत करने वाली प्रक्रिया है। जिस तरह तितली संघर्ष के बाद उड़ना सीखती है, उसी तरह मनुष्य भी कठिनाइयों से गुजरकर अपनी ऊँची उड़ान के लिए तैयार होता है।”

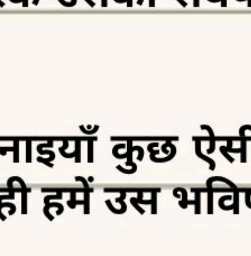

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

लोक नृत्य "झारी"

चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

.................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, वोल्गा के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : अरवल, अंक–1"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: अरवल: सोन का पाट, लाल बालू की संपदा और मगध का पश्चिमी कछार

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से अरवल मगध प्रमंडल का सबसे नया और पश्चिमी सीमांत ज़िला है। वर्ष 2001 में जहानाबाद से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला क्षेत्रफल की दृष्टि से बिहार के सबसे छोटे ज़िलों में गिना जाता है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर और पश्चिम में सोन नदी के पार भोजपुर और पटना, पूर्व में जहानाबाद तथा दक्षिण में औरंगाबाद ज़िले को स्पर्श करती हैं। सोन नदी इस ज़िले और शाहाबाद (भोजपुर) क्षेत्र के बीच एक स्वाभाविक प्राकृतिक सीमा बनाती है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी जीवनरेखा और पहचान सोन नदी (Son River) है। अमरकंटक से निकलकर आने वाली सोन नदी अरवल की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ एक विस्तृत रेतीले पाट का निर्माण करती हुई बहती है। सोन के अलावा पुनपुन (Punpun) नदी ज़िले के पूर्वी भाग से होकर गुजरती है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अरवल का संपूर्ण धरातल अत्यंत उपजाऊ नवीन जलोढ़ मिट्टी (Newer Alluvium) से निर्मित एक समतल मैदानी भाग है, जिसमें बालू और गाद का उत्कृष्ट प्राकृतिक संतुलन पाया जाता है।

अरवल की सबसे विशिष्ट प्राकृतिक और भू-वैज्ञानिक पहचान सोन नदी का 'लाल बालू' (Red Sand) है। यह बालू अपनी बेहतर मजबूती और दानेदार बनावट के कारण संपूर्ण बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के भवन व ढांचागत निर्माण उद्योग के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसके अतिरिक्त, सोन नहर प्रणाली (Son Canal System) का नेटवर्क ज़िले के अधिकांश कृषि क्षेत्रों में फैला हुआ है, जिसने अरवल को एक सतत सिंचित और हरा-भरा इलाका बना दिया है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। अत्यधिक उपजाऊ मिट्टी और सोन नहरों से मिलने वाले बारहमासी जल के कारण अरवल की कृषि उत्पादकता राज्य में शीर्ष स्तर की है। यहाँ मुख्य रूप से धान, गेहूं, दलहन (विशेषकर चना व मसूर) और तिलहन की सघन खेती होती है। धान के कटोरे के रूप में पहचाने जाने वाले इस क्षेत्र की आर्थिकी पूरी तरह कृषि और सोन के बालू खनन पर टिकी है। परंतु, मानसून के दौरान सोन नदी के जलस्तर में अचानक होने वाली वृद्धि और तटीय इलाकों में होने वाला भूमि कटाव यहाँ के किसानों के सामने एक प्रमुख प्राकृतिक चुनौती बना रहता है।

सोन के सुनहरे पाट, लाल बालू के विशाल भंडारों और उपजाऊ जलोढ़ मैदानों का यह प्रामाणिक विश्लेषण दक्षिण बिहार के कृषि और खनिज भूगोल को समझने के लिए एक स्पष्ट और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 **-9939671700**

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org